



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 375]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 6, 2003/श्रावण 15, 1925

No. 375]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 6, 2003/SRAVANA 15, 1925

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2003

सं. 64/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 638(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 8/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:-

उक्त अधिसूचना के उपाबंध में स्तंभ शीर्ष "शर्त" के अधीन शर्त सं० 51 के सामने प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी, अर्थात्

"(क) विनिर्माता पहली अनुसूची की उपशीर्ष सं० 8702.10 या 8703.90 के अधीन आने वाले मोटर वाहन पर, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के किसी भी अधिसूचना में निहित छूट, सिवाय इस छूट के, के साथ पठित पहली अनुसूची और दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट कर पर, वाहन की निकासी के समय, उत्पाद शुल्क का संदाय करता है;

(ख) एम्बुलेंस की दशा में शुल्क की रियायत दर केवल तब लागू होगी जब उसका प्रदाय या तो -

(1) केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन या किसी स्थानीय प्राधिकरण द्वारा संचालित अस्पताल, परिचर्या गृहों या सेनेटोरियमों को अथवा जो केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन अथवा किसी स्थानीय प्राधिकरण के किसी विभाग में उस रूप में रजिस्ट्रीकृत है; अथवा

(2) भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी को;

(ग) विनिर्माता, इस छूट के अधीन विनिर्दिष्ट छूट से अधिक संदत्त शुल्क राशि के समतुल्य राशि का मुजरा, केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा जारी किए गए उत्पाद शुल्क के पूरक अनुदेशों के भाग V के तहत बताए गए चालू लेखा में, लेता है और तत्पश्चात उक्त शुल्क की राशि के प्रतिदाय के लिए, उक्त मोटर वाहन पर शुल्क के संदाय की तारीख से छः मास की समाप्ति के पूर्व, यथास्थिति, उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सहायक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त के समक्ष निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ दावा फाइल करता है;

(1) इस प्रकार मुजरा ली गई राशि के विवरण के साथ एक सूचना कि विनिर्माता द्वारा शुल्क के प्रतिदाय के लिए दावा की गई राशि का मुजरा ले लिया है;

(2) संबंधित राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी से इस आशय का एक प्रमाणपत्र की उक्त मोटर वाहन का, यथास्थिति, तीन मास या इस प्रकार बढ़ाई गई तीन मास से और अनधिक की अवधि के भीतर जो, यथास्थिति उप उपायुक्त या सहायक आयुक्त, विनिर्माता के कारखाने से उक्त मोटर वाहन की निकासी की तारीख से अनुज्ञात करें, केवल एबुलेंस या टैक्सी के रूप में उपयोग के लिए रजिस्ट्रीकरण किया गया है;

(3) संदत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसा पैराग्राफ (क) में बताया गया है, को दर्शाने के लिए दस्तावेज की एक प्रतिलिपि;

(4) जहाँ विनिर्माता ने क्रेता से इस छूट के अधीन संदेय उत्पाद शुल्क के आधिक्य में, उत्पाद शुल्क के रूप में, एक राशि एकत्रित कर ली है, इस आशय का साक्ष्य प्रस्तुत करेगा कि उक्त राशि को क्रेता को सम्यक रूप से लौटा दिया गया है;

(5) जहाँ विनिर्माता ने क्रेता से इस छूट के अधीन संदेय उत्पाद शुल्क के आधिक्य में, उत्पाद शुल्क के रूप में, एक राशि एकत्रित नहीं की है, इस आशय का एक घोषणा पत्र;

(घ) यथास्थिति, उप केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त सहायक केन्द्रीय उत्पाद आयुक्त, प्रतिदाय के लिए फाइल किए गए उक्त दावे की प्राप्ति के सात दिनों के भीतर, जरूरी जाँच के पश्चात, विनिर्माता को प्रतिदेय राशि का निर्धारण करेगा और इसकी सूचना विनिर्माता को देगा। अगर विनिर्माता द्वारा मुजरा ली गई राशि इस निर्धारित राशि से ज्यादा है, विनिर्माता, उक्त सूचना के प्राप्ति के पाँच दिनों के भीतर अपने द्वारा रखे गए चालू लेखा में निर्धारित राशि से अधिक ली गई मुजरा राशि को वापस कर देगा। अगर मुजरा राशि निर्धारित प्रतिदेय राशि से कम है, विनिर्माता बाकी बची राशि का मुजरा लेने का हकदार होगा;

(ड.) पैराग्राफ (घ) में बताए गए अवधि के भीतर अगर विनिर्माता निर्धारित मुजरा राशि से अधिक ली गई अनियमित मुजरा राशि को वापस नहीं करता है, अनियमित मुजरा राशि गलत रूप से प्रतिदत्त शुल्क की राशि के रूप में वसूल की जायेगी। अगर इस प्रकार ली गई आधिक्य और अनियमित मुजरा राशि को उत्पाद शुल्क माल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क के संदाय के लिए उपयोग में लाया जाता है, उक्त मालों को, आधिक्य और अनियमित मुजरा राशि के उपयोग की हद तक, उत्पाद शुल्क संदाय किए बिना निकासित समझा जायेगा।

[फा. सं. 261/10/2003-सी.एक्स.]

गंगा सिंह कार्की, अवर सचिव

टिप्पण : मूल अधिसूचना सं० 6/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2002 [सा० का० नि० 127 (अ), तारीख 1 मार्च, 2002] द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण द्वारा प्रकाशित की गई थी, और उसमें अंतिम संशोधन अधिसूचना सं० 63/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 31 जुलाई, 2003 [सा० का० नि० 618 (अ) तारीख 31 जुलाई, 2003] द्वारा किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th August, 2003

No. 64/2003-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 638(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 6/2002-C.E., dated 1st March, 2002, namely:-

In the annexure to the said notification, against condition No. 51, for the entries under Column heading "Conditions", the following entries shall be substituted, namely:-

“(a) The manufacturer pays duties of excise at the rate specified under the First schedule and the Second Schedule read with exemption contained in any notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), except for this exemption, in the

case of motor vehicle falling under sub-heading No. 8702.10 or sub-heading No. 8703.90 of the First Schedule, at the time of clearance of the vehicle;

- (b) in the case of ambulance, the concessional rate of duty shall apply only when the ambulance is supplied to-
- (1). hospitals, nursing homes or sanatorium, run by the Central Government or a State Government or a Union territory Administration or a local authority, or are registered as such with any Department of the Central Government or a State Government or a Union territory Administration or a local authority; or
 - (2). the Indian Red Cross Society;
- (c) the manufacturer takes credit of the amount equal to the amount of duty paid in excess of that specified under this exemption, in the Account Current, maintained in terms of Part V of the Excise Manual of Supplementary Instructions issued by the Central Board of Excise and Customs and thereafter files a claim for refund of the said amount of duty before the expiry of six months from the date of payment of duty on the said motor vehicle, with the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, having jurisdiction, along with the following documents, namely:-
- (1). an intimation that the amount of refund of duty claimed has been credited by the manufacturer in his Account Current, also stating the amount of credit so taken;
 - (2). a certificate from an officer authorized by the concerned State Transport Authority, to the effect that the said motor vehicle has been registered for sole use as ambulance or taxi, as the case may be, within three months, or such extended period not exceeding a further period of three months as the said Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, may allow, from the date of clearance of the said motor vehicle from the factory of the manufacturer;
 - (3). a copy of the document evidencing the payment of excise duty, as mentioned in paragraph (a) above;
 - (4). where the manufacturer has collected an amount, as representing the duties of excise, in excess of the duties payable under this exemption from the buyer, an evidence to the effect that the said amount has been duly returned to the buyer; and
 - (5). where the manufacturer has not collected an amount, as representing the duties of excise, in excess of the duties payable under this exemption from the buyer, a declaration by the manufacturer to that effect;
- (d) Within seven days of the receipt of the said claim for refund, the Deputy Commissioner of Central Excise or the Assistant Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be necessary, shall determine the amount refundable to the manufacturer and shall intimate the same to the manufacturer. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount so determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the said intimation, reverse the said excess credit from the said Account Current maintained by him. In case the credit availed is lesser than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount; and
- (e) The recovery of the credit availed irregularly or availed in excess of the amount of credit so determined, and not reversed by the manufacturer within the period specified under paragraph (d) above, shall be recovered as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilized for payment of excise duty on clearance of excisable goods, the said goods shall be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilization of such irregular or excess credit."

[F. No. 261/10/2003-CX]

G. S. KARKI, Under Secy.

Note :—The principal notification No. 6/2002-Central Excise, dated the 1st March, 2002 was published in the Gazette of India vide number G.S.R. 127(E), dated the 1st March, 2002 and was last amended vide notification No. 63/2003-Central Excise, dated the 31st July, 2003, number G.S.R. 618(E), dated the 31st July, 2003.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2003

सं. 65/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 639(अ).-केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, यह निर्देश देती है कि इसके साथ उपाबद्ध सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचनाओं में से प्रत्येक को उक्त सारणी के स्तंभ (3) की तत्स्थानी प्रवृत्ति में निर्दिष्ट रीति से और संशोधन किया जायेगा, अर्थात:-

सारणी

क्रम सं०	अधिसूचना सं० और तारीख	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	32/99-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 8 जुलाई, 1999	<p>उक्त अधिसूचना में,-</p> <p>(i) प्रारंभिक पैराग्राफ के बाद, निम्नलिखित पैराग्राफ अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>“1क. ऐसी स्थिति में जब किसी भी विनिर्माता द्वारा निर्मित किया गया सारा माल इस अधिसूचना में छूट के योग्य है, इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट इस शर्त पर मिलेगा कि विनिर्माता पहले अपना सारा केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय उपयोग कर लेगा जो उसके पास उस महीने के अंतिम दिन उपलब्ध है जिसमें उत्पाद शुल्क जमा करवाना है और बाकी कि रकम वह नकद जमा करवाएगा।”;</p> <p>(ii) पैराग्राफ 2 में पद ख के परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>परंतु ऐसी स्थिति में जब किसी भी विनिर्माता द्वारा निर्मित कुछ माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट में नहीं आता है तो ऐसा प्रतिदाय इस अधिसूचना के अधीन निकासी किए गए माल के विनिर्माण में या उसके संबंध में प्रयुक्त अंतः निवेशों पर संदत्त शुल्क की बाबत उपभोग किए गए केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की रकम घटाकर संदत्त शुल्क की रकम से अधिक नहीं होगा।”;</p> <p>(iii) पैराग्राफ 2 के बाद, निम्नलिखित पैराग्राफ अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>“2क. पैराग्राफ 2 में किसी भाग के होते हुए भी,-</p> <p>(क) विनिर्माता अपनी इच्छा पर, केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से, अपने चालू खाता जो कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा जारी किए गए उत्पाद शुल्क सार संग्रह में अनुपूरक निर्देशों के भाग v में बनाए रखा गया है, प्रतिफलित महीने में जमा किए गए उत्पाद शुल्क का प्रत्यर्पण ले सकता है ऐसी रकम जो चालू खाते में जमा हो गई है उसका उपयोग विनिर्माता, उत्पाद शुल्क नियम 2002 के नियम 8 में सुझाए गए तरीकों के अनुसार उससे बाद के महीनों में कर सकता है और ऐसी रकम नकद में दी गई समझी जायेगी;</p> <p>परंतु ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा निर्मित कुछ माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट में नहीं आता है तो ऐसा प्रतिदाय इस अधिसूचना के अधीन निकासी किए गए माल के विनिर्माण में या उसके संबंध में प्रयुक्त अंतः निवेशों पर संदत्त शुल्क की बाबत उपभोग किए गए केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की रकम घटाकर संदत्त शुल्क की रकम से अधिक नहीं होगा। ;</p> <p>(ख) प्रतिफलित महीने में जमा किए गए शुल्क का प्रत्यय विनिर्माता, केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से, अपने चालू खाता में प्रतिफलित महीने से अगले महीने के सातवें दिन तक ले सकता है;</p>

		<p>(ग) जो विनिर्माता पद (क) में दिए गए विकल्प का लाभ उठाने का इच्छुक है तो किसी भी वित्त वर्ष की पहली निकासी से पहले वो अपने विकल्प को लिखित में देगा और ऐसा विकल्प उस दिन से लागू होगा जिस दिन उसने विकल्प का लाभ उठाने की इच्छा दी थी और वित्त वर्ष के बाकी के हिस्से में वापस नहीं की जा सकेगी; परन्तु, वित्त वर्ष 2003-04 के लिए विनिर्माता अपना विकल्प 30 सितम्बर, 2003 तक दे सकता है।</p> <p>(घ) विनिर्माता ऐसी प्रत्यर्पण रकम जिसका उसने प्रत्यय लिया है और उस प्रत्यय के गणना के दस्तावेज के साथ उस जमा शुल्क का लेखा जोखा जो उसने केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से किया है यथास्थिति सहायक उत्पाद शुल्क आयुक्त या उत्पाद शुल्क उपायुक्त को प्रतिफलित महीने से अगले महीने के सातवें दिन तक देगा;</p> <p>(ङ.) यथास्थिति सहायक उत्पाद शुल्क आयुक्त या उत्पाद शुल्क उपायुक्त, ऐसी जांच पड़ताल के बाद जो जरूरी हो विनिर्माता को प्रत्यर्पण की जाने वाली रकम को निर्धारित करेगा और विनिर्माता को प्रतिफलित महीने से अगले महीने के पन्द्रहें दिन तक सूचित करेगा ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा लिया गया प्रत्यय निर्धारित की गई रकम से ज्यादा है तो विनिर्माता उस सूचना की प्राप्ति के पांच दिन के अंदर उस अधिक प्रत्यय को उसके द्वारा बनाए रखे गए चालू खाता से लोटा देगा। ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा लिया गया प्रत्यय निर्धारित किए गए प्रत्यय से कम है तो विनिर्माता बाकी के प्रत्यय को लेने का पात्र होगा;</p> <p>(च) ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता पद (क) से (ङ.) तक का पालन करने में असफल होता है तो उसका केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से शुल्क को अपने आप उसके चालू खाते में प्रत्यय लेने का विकल्प जैसा कि पद (क) और (ग) में व्यवस्था है, जब्त हो जायेगा ;</p> <p>(छ) असामान्य ढंग से लिया गया प्रत्यय या पद (ङ.) में निर्धारित की गई सही प्रत्यर्पण की रकम से लिया गया अधिक प्रत्यय अगर विनिर्माता द्वारा उक्त पद में निर्दिष्ट समय के अंदर वापस नहीं किया जाता है तो उस रकम को असामान्य ढंग से प्रत्यर्पित किए गए उत्पाद शुल्क की तरह वसूल की जायेगी। ऐसी स्थिति में जब ऐसा असामान्य या ज्यादा लिया गया प्रत्यर्पण, उत्पाद शुल्क योग्य मदों की निकासी पर उत्पाद शुल्क को जमा करवाने के लिए उपयोग कर लिया जाता है तो वो माल उतनी रकम तक बिना उत्पाद शुल्क के निकासित मानी जायेगी जितना कि असामान्य या ज्यादा प्रत्यय को उपयोग किया गया है।</p> <p>स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए उत्पाद शुल्क के लिए उपयोग की गई चालू खाते में जमा की गई रकम को केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग प्रयोग की गई मानी जायेगी।”।</p>
2.	33/99- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 8 जुलाई, 1999	<p>उक्त अधिसूचना में,-</p> <p>(i) प्रारंभिक पैराग्राफ के बाद, निम्नलिखित पैराग्राफ अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>“1क. ऐसी स्थिति में जब किसी भी विनिर्माता द्वारा निर्मित किया गया सारा माल इस अधिसूचना में छूट के योग्य है, इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट इस शर्त पर मिलेगी कि विनिर्माता पहले अपना सारा केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय उपयोग कर लेगा जो उसके पास उस महीने के अंतिम दिन उपलब्ध है जिसमें उत्पाद शुल्क जमा करवाना है और बाकी कि रकम वह नकद जमा करवाएगा।”;</p> <p>(ii) पैराग्राफ 2 में पद ख के परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>परंतु ऐसी स्थिति में जब किसी भी विनिर्माता द्वारा निर्मित कुछ माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट में नहीं आता है तो ऐसा प्रतिदाय इस अधिसूचना के अधीन निकासी किए गए माल के विनिर्माण में या उसके संबंध में प्रयुक्त अंतः निवेशों पर संदत्त शुल्क की बाबत उपभोग किए गए केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की रकम घटाकर संदत्त शुल्क की रकम से अधिक नहीं होगा।”;</p> <p>(iii) पैराग्राफ 2 के बाद, निम्नलिखित पैराग्राफ अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>“2क. पैराग्राफ 2 में किसी भाग के होते हुए भी,-</p>

(क) विनिर्माता अपनी इच्छा पर, केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से, अपने चालू खाता जो कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा जारी किए गए उत्पाद शुल्क सार संग्रह में अनुपूरक निर्देशों के भाग ४ में बनाए रखा गया है, प्रतिफलित महीने में जमा किए गए उत्पाद शुल्क का प्रत्यर्पण ले सकता है ऐसी रकम जो चालू खाते में जमा हो गई है उसका उपयोग विनिर्माता, उत्पाद शुल्क नियम 2002 के नियम 8 में सुझाए गए तरीकों के अनुसार उससे बाद के महीनों में कर सकता है और ऐसी रकम नकद में दी गई समझी जायेगी;

परंतु ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा निर्मित कुछ माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट में नहीं आता है तो ऐसा प्रतिदाय इस अधिसूचना के अधीन निकासी किए गए माल के विनिर्माण में या उसके संबंध में प्रयुक्त अंतः निवेशों पर संदत्त शुल्क की बाबत उपभोग किए गए केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की रकम घटाकर संदत्त शुल्क की रकम से अधिक नहीं होगा । ;

(ख) प्रतिफलित महीने में जमा किए गए शुल्क का प्रत्यय विनिर्माता, केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से, अपने चालू खाता में प्रतिफलित महीने से अगले महीने के सातवें दिन तक ले सकता है;

(ग) जो विनिर्माता पद (क) में दिए गए विकल्प का लाभ उठाने का इच्छुक है तो किसी भी वित्त वर्ष की पहली निकासी से पहले वो अपने विकल्प को लिखित में देगा और ऐसा विकल्प उस दिन से लागू होगा जिस दिन उसने विकल्प का लाभ उठाने की इच्छा दी थी और वित्त वर्ष के बाकी के हिस्से में वापस नहीं की जा सकेगी; परंतु, वित्त वर्ष 2003-04 के लिए विनिर्माता अपना विकल्प 30 सितम्बर, 2003 तक दे सकता है।

(घ) विनिर्माता ऐसी प्रत्यर्पण रकम जिसका उसने प्रत्यय लिया है और उस प्रत्यय के गणना के दस्तावेज के साथ उस जमा शुल्क का लेखा जोखा जो उसने केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से किया है यथास्थिति सहायक उत्पाद शुल्क आयुक्त या उत्पाद शुल्क उपायुक्त को प्रतिफलित महीने से अगले महीने के सातवें दिन तक देगा;

(ङ) यथास्थिति सहायक उत्पाद शुल्क आयुक्त या उत्पाद शुल्क उपायुक्त, ऐसी जांच पड़ताल के बाद जो जरूरी हो विनिर्माता को प्रत्यर्पण की जाने वाली रकम को निर्धारित करेगा और विनिर्माता को प्रतिफलित महीने से अगले महीने के पन्द्रहें दिन तक सूचित करेगा ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा लिया गया प्रत्यय निर्धारित की गई रकम से ज्यादा है तो विनिर्माता उस सूचना की प्राप्ति के पांच दिन के अंदर उस अधिक प्रत्यय को उसके द्वारा बनाए रखे गए चालू खाता से लोटा देगा । ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा लिया गया प्रत्यय निर्धारित किए गए प्रत्यय से कम है तो विनिर्माता बाकी के प्रत्यय को लेने का पात्र होगा;

(च) ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता पद (क) से (ङ.) तक का पालन करने में असफल होता है तो उसका केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से शुल्क को अपने आप उसके चालू खाते में प्रत्यय लेने का विकल्प जैसा कि पद (क) और (ग) में व्यवस्था है, जब्त हो जायेगा ;

(छ) असामान्य ढंग से लिया गया प्रत्यय या पद (ङ.) में निर्धारित की गई सही प्रत्यर्पण की रकम से लिया गया अधिक प्रत्यय अगर विनिर्माता द्वारा उक्त पद में निर्दिष्ट समय के अंदर वापस नहीं किया जाता है तो उस रकम को असामान्य ढंग से प्रत्यर्पित किए गए उत्पाद शुल्क की तरह वसूल की जायेगी । ऐसी स्थिति में जब ऐसा असामान्य या ज्यादा लिया गया प्रत्यर्पण, उत्पाद शुल्क योग्य मदों की निकासी पर उत्पाद शुल्क को जमा करवाने के लिए उपयोग कर लिया जाता है तो वो माल उतनी रकम तक बिना उत्पाद शुल्क के निकासित मानी जायेगी जितना कि असामान्य या ज्यादा प्रत्यय को उपयोग किया गया है ।

स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए उत्पाद शुल्क के लिए उपयोग की गई चालू खाते में जमा की गई रकम को केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग प्रयोग की गई मानी जायेगी । ” ।

3.	39/2001 -केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 31 जुलाई, 2001.	<p>उक्त अधिसूचना में,-</p> <p>(i) प्रारंभिक पैराग्राफ के बाद, निम्नलिखित पैराग्राफ अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>“1क. ऐसी स्थिति में जब किसी भी विनिर्माता द्वारा निर्मित किया गया सारा माल इस अधिसूचना में छूट के योग्य है, इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट इस शर्त पर मिलेगी कि विनिर्माता पहले अपना सारा केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय उपयोग कर लेगा जो उसके पास उस महीने के अंतिम दिन उपलब्ध है जिसमें उत्पाद शुल्क जमा करवाना है और बाकी कि रकम वह नकद जमा करवाएगा।”;</p> <p>(ii) पैराग्राफ 2 में पद ख के परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>परंतु ऐसी स्थिति में जब किसी भी विनिर्माता द्वारा निर्मित कुछ माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट में नहीं आता है तो ऐसा प्रतिदाय इस अधिसूचना के अधीन निकासी किए गए माल के विनिर्माण में या उसके संबंध में प्रयुक्त अंतः निवेशों पर संदत्त शुल्क की बाबत उपभोग किए गए केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की रकम घटाकर संदत्त शुल्क की रकम से अधिक नहीं होगा।”;</p> <p>(iii) पैराग्राफ 2 के बाद, निम्नलिखित पैराग्राफ अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>“2क. पैराग्राफ 2 में किसी भाग के होते हुए भी,-</p> <p>(क) विनिर्माता अपनी इच्छा पर, केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से, अपने चालू खाता जो कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा जारी किए गए उत्पाद शुल्क सार संग्रह में अनुपूरक निर्देशों के भाग v में बनाए रखा गया है, प्रतिफलित महीने में जमा किए गए उत्पाद शुल्क का प्रत्यर्पण ले सकता है ऐसी रकम जो चालू खाते में जमा हो गई है उसका उपयोग विनिर्माता, उत्पाद शुल्क नियम 2002 के नियम 8 में सुझाए गए तरीकों के अनुसार उससे बाद के महीनों में कर सकता है और ऐसी रकम नकद में दी गई समझी जायेगी;</p> <p>परंतु ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा निर्मित कुछ माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट में नहीं आता है तो ऐसा प्रतिदाय इस अधिसूचना के अधीन निकासी किए गए माल के विनिर्माण में या उसके संबंध में प्रयुक्त अंतः निवेशों पर संदत्त शुल्क की बाबत उपभोग किए गए केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की रकम घटाकर संदत्त शुल्क की रकम से अधिक नहीं होगा। ;</p> <p>(ख) प्रतिफलित महीने में जमा किए गए शुल्क का प्रत्यय विनिर्माता, केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से, अपने चालू खाता में प्रतिफलित महीने से अगले महीने के सातवें दिन तक ले सकता है;</p> <p>(ग) जो विनिर्माता पद (क) में दिए गए विकल्प का लाभ उठाने का इच्छुक है तो किसी भी वित्त वर्ष की पहली निकासी से पहले वो अपने विकल्प को लिखित में देगा और ऐसा विकल्प उस दिन से लागू होगा जिस दिन उसने विकल्प का लाभ उठाने की इच्छा दी थी और वित्त वर्ष के बाकी के हिस्से में वापस नहीं की जा सकेगी; परंतु, वित्त वर्ष 2003-04 के लिए विनिर्माता अपना विकल्प 30 सितम्बर, 2003 तक दे सकता है।</p> <p>(घ) विनिर्माता ऐसी प्रत्यर्पण रकम जिसका उसने प्रत्यर्पण लिया है और उस प्रत्यय के गणना के दस्तावेज के साथ उस जमा शुल्क का लेखा जोखा जो उसने केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से किया है यथास्थिति सहायक उत्पाद शुल्क आयुक्त या उत्पाद शुल्क उपायुक्त को प्रतिफलित महीने से अगले महीने के सातवें दिन तक देगा;</p> <p>(ङ) यथास्थिति सहायक उत्पाद शुल्क आयुक्त या उत्पाद शुल्क उपायुक्त, ऐसी जांच पड़ताल के बाद जो जरूरी हो विनिर्माता को प्रत्यर्पण की जाने वाली रकम को निर्धारित करेगा और विनिर्माता को प्रतिफलित महीने से अगले महीने के पन्द्रहवें दिन तक सूचित करेगा ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा लिया गया प्रत्यय निर्धारित की गई रकम से ज्यादा है तो विनिर्माता उस सूचना की प्राप्ति के पांच दिन के अंदर उस अधिक प्रत्यय को उसके द्वारा बनाए रखे गए चालू खाता से लोटा देगा। ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा लिया गया प्रत्यय निर्धारित किए गए प्रत्यय से कम है तो विनिर्माता बाकी के प्रत्यय को लेने का पात्र होगा;</p>
----	--	--

		<p>(च) ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता पद (क) से (ड.) तक का पालन करने में असफल होता है तो उसका केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से शुल्क को अपने आप उसके चालू खाते में प्रत्यय लेने का विकल्प जैसा कि पद (क) और (ग) में व्यवस्था है, जब्त हो जायेगा ;</p> <p>(छ) असामान्य ढंग से लिया गया प्रत्यय या पद (ड.) में निर्धारित की गई सही प्रत्यर्पण की रकम से लिया गया अधिक प्रत्यय अगर विनिर्माता द्वारा उक्त पद में निर्दिष्ट समय के अंदर वापस नहीं किया जाता है तो उस रकम को असामान्य ढंग से प्रत्यर्पित किए गए उत्पाद शुल्क की तरह वसूल की जायेगी । ऐसी स्थिति में जब ऐसा असामान्य या ज्यादा लिया गया प्रत्यर्पण, उत्पाद शुल्क योग्य मदों की निकासी पर उत्पाद शुल्क को जमा करवाने के लिए उपयोग कर लिया जाता है तो वो माल उतनी रकम तक बिना उत्पाद शुल्क के निकासित मानी जायेगी जितना कि असामान्य या ज्यादा प्रत्यय को उपयोग किया गया है ।</p> <p>स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए उत्पाद शुल्क के लिए उपयोग की गई चालू खाते में जमा की गई रकम को केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग प्रयोग की गई मानी जायेगी । ” ।</p>
4.	56/2002 -केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 14 नवम्बर, 2002.	<p>उक्त अधिसूचना में,-</p> <p>(i) प्रारंभिक पैराग्राफ के बाद, निम्नलिखित पैराग्राफ अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>“1क. ऐसी स्थिति में जब किसी भी विनिर्माता द्वारा निर्मित किया गया सारा माल इस अधिसूचना में छूट के योग्य है, इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट इस शर्त पर मिलेगी कि विनिर्माता पहले अपना सारा केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय उपयोग कर लेगा जो उसके पास उस महीने के अंतिम दिन उपलब्ध है जिसमें उत्पाद शुल्क जमा करवाना है और बाकी कि रकम वह नकद जमा करवाएगा ।” ;</p> <p>(ii) पैराग्राफ 2 में पद ख के परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>परंतु ऐसी स्थिति में जब किसी भी विनिर्माता द्वारा निर्मित कुछ माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट में नहीं आता है तो ऐसा प्रतिदाय इस अधिसूचना के अधीन निकासी किए गए माल के विनिर्माण में या उसके संबंध में प्रयुक्त अंतः निवेशों पर संदत्त शुल्क की बाबत उपभोग किए गए केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की रकम घटाकर संदत्त शुल्क की रकम से अधिक नहीं होगा । ” ;</p> <p>(iii) पैराग्राफ 2 के बाद, निम्नलिखित पैराग्राफ अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>“2क. पैराग्राफ 2 में किसी भाग के होते हुए भी,-</p> <p>(क) विनिर्माता अपनी इच्छा पर, केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से, अपने चालू खाता जो कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा जारी किए गए उत्पाद शुल्क सार संग्रह में अनुपूरक निर्देशों के भाग v में बनाए रखा गया है, प्रतिफलित महीने में जमा किए गए उत्पाद शुल्क का प्रत्यर्पण ले सकता है ऐसी रकम जो चालू खाते में जमा हो गई है उसका उपयोग विनिर्माता, उत्पाद शुल्क नियम 2002 के नियम 8 में सुझाए गए तरीकों के अनुसार उससे बाद के महीनों में कर सकता है और ऐसी रकम नकद में दी गई समझी जायेगी;</p> <p>परंतु ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा निर्मित कुछ माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट में नहीं आता है तो ऐसा प्रतिदाय इस अधिसूचना के अधीन निकासी किए गए माल के विनिर्माण में या उसके संबंध में प्रयुक्त अंतः निवेशों पर संदत्त शुल्क की बाबत उपभोग किए गए केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की रकम घटाकर संदत्त शुल्क की रकम से अधिक नहीं होगा । ;</p> <p>(ख) प्रतिफलित महीने में जमा किए गए शुल्क का प्रत्यय विनिर्माता, केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से, अपने चालू खाता में प्रतिफलित महीने से अगले महीने के सातवें दिन तक ले सकता है;</p> <p>(ग) जो विनिर्माता पद (क) में दिए गए विकल्प का लाभ उठाने का इच्छुक है तो किसी भी वित्त वर्ष की पहली निकासी से पहले वो अपने विकल्प को लिखित में देगा और ऐसा विकल्प उस दिन से लागू होगा जिस दिन उसने विकल्प का लाभ उठाने की इच्छा दी थी और वित्त वर्ष</p>

		<p>के बाकी के हिस्से में वापस नहीं की जा सकेगी; परन्तु, वित्त वर्ष 2003-04 के लिए विनिर्माता अपना विकल्प 30 सितम्बर, 2003 तक दे सकता है।</p> <p>(घ) विनिर्माता ऐसी प्रत्यर्पण रकम जिसका उसने प्रत्यर्प लिया है और उस प्रत्यर्प के गणना के दस्तावेज के साथ उस जमा शुल्क का लेखा जोखा जो उसने केन्द्रीय प्रत्यर्पण कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से किया है यथास्थिति सहायक उत्पाद शुल्क आयुक्त या उत्पाद शुल्क उपायुक्त को प्रतिफलित महीने से अगले महीने के सातवें दिन तक देगा;</p> <p>(ङ.) यथास्थिति सहायक उत्पाद शुल्क आयुक्त या उत्पाद शुल्क उपायुक्त, ऐसी जांच पड़ताल के बाद जो जरूरी हो विनिर्माता को प्रत्यर्पण की जाने वाली रकम को निर्धारित करेगा और विनिर्माता को प्रतिफलित महीने से अगले महीने के पन्द्रह दिनों तक सूचित करेगा ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा लिया गया प्रत्यर्पण निर्धारित की गई रकम से ज्यादा है तो विनिर्माता उस सूचना की प्राप्ति के पांच दिनों के अंदर उस अधिक प्रत्यर्पण को उसके द्वारा बनाए रखे गए चालू खाता से लौटा देगा। ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा लिया गया प्रत्यर्पण निर्धारित किए गए प्रत्यर्पण से कम है तो विनिर्माता बाकी के प्रत्यर्पण को लेने का पात्र होगा;</p> <p>(च) ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता पद (क) से (ङ.) तक का पालन करने में असफल होता है तो उसका केन्द्रीय प्रत्यर्पण कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से शुल्क को अपने आप उसके चालू खाते में प्रत्यर्पण लेने का विकल्प जैसा कि पद (क) और (ग) में व्यवस्था है, जब्त हो जायेगा;</p> <p>(छ) असामान्य ढंग से लिया गया प्रत्यर्पण या पद (ङ.) में निर्धारित की गई सही प्रत्यर्पण की रकम से लिया गया अधिक प्रत्यर्पण अगर विनिर्माता द्वारा उक्त पद में निर्दिष्ट समय के अंदर वापस नहीं किया जाता है तो उस रकम को असामान्य ढंग से प्रत्यर्पित किए गए उत्पाद शुल्क की तरह वसूल की जायेगी। ऐसी स्थिति में जब ऐसा असामान्य या ज्यादा लिया गया प्रत्यर्पण, उत्पाद शुल्क योग्य मदों की निकासी पर उत्पाद शुल्क को जमा करवाने के लिए उपयोग कर लिया जाता है तो वो माल उतनी रकम तक बिना उत्पाद शुल्क के निकासित मानी जायेगी जितना कि असामान्य या ज्यादा प्रत्यर्पण को उपयोग किया गया है।</p> <p>स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए उत्पाद शुल्क के लिए उपयोग की गई चालू खाते में जमा की गई रकम को केन्द्रीय प्रत्यर्पण कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग प्रयोग की गई मानी जायेगी।”।</p>
5.	57/2002 -केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 14 नवम्बर, 2002.	<p>उक्त अधिसूचना में,-</p> <p>(i) प्रारंभिक पैराग्राफ के बाद, निम्नलिखित पैराग्राफ अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>“1क. ऐसी स्थिति में जब किसी भी विनिर्माता द्वारा निर्मित किया गया सारा माल इस अधिसूचना में छूट के योग्य है, इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट इस शर्त पर मिलेगी कि विनिर्माता पहले अपना सारा केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यर्पण उपयोग कर लेगा जो उसके पास उस महीने के अंतिम दिन उपलब्ध है जिसमें उत्पाद शुल्क जमा करवाना है और बाकी की रकम वह नकद जमा करवाएगा।”;</p> <p>(ii) पैराग्राफ 2 में पद ख के परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>परंतु ऐसी स्थिति में जब किसी भी विनिर्माता द्वारा निर्मित कुछ माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट में नहीं आता है तो ऐसा प्रतिदाय इस अधिसूचना के अधीन निकासी किए गए माल के विनिर्माण में या उसके संबंध में प्रयुक्त अंतः निवेशों पर संदत्त शुल्क की बाबत उपभोग किए गए केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यर्पण की रकम घटाकर संदत्त शुल्क की रकम से अधिक नहीं होगा।”;</p> <p>(iii) पैराग्राफ 2 के बाद, निम्नलिखित पैराग्राफ अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात:-</p> <p>“2क. पैराग्राफ 2 में किसी भाग के होते हुए भी,-</p> <p>(क) विनिर्माता अपनी इच्छा पर, केन्द्रीय प्रत्यर्पण कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से, अपने चालू खाता जो कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा</p>

जारी किए गए उत्पाद शुल्क सार संग्रह में अनुपूरक निर्देशों के भाग v में बनाए रखा गया है, प्रतिफलित महीने में जमा किए गए उत्पाद शुल्क का प्रत्यर्पण ले सकता है ऐसी रकम जो चालू खाते में जमा हो गई है उसका उपयोग विनिर्माता, उत्पाद शुल्क नियम 2002 के नियम 8 में सुझाए गए तरीकों के अनुसार उससे बाद के महीनों में कर सकता है और ऐसी रकम नकद में दी गई समझी जायेगी;

परंतु ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा निर्मित कुछ माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट में नहीं आता है तो ऐसा प्रतिदाय इस अधिसूचना के अधीन निकासी किए गए माल के विनिर्माण में या उसके संबंध में प्रयुक्त अंतः निवेशों पर संदत्त शुल्क की बाबत उपभोग किए गए केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय की रकम घटाकर संदत्त शुल्क की रकम से अधिक नहीं होगा।;

(ख) प्रतिफलित महीने में जमा किए गए शुल्क का प्रत्यय विनिर्माता, केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से, अपने चालू खाता में प्रतिफलित महीने से अगले महीने के सातवें दिन तक ले सकता है;

(ग) जो विनिर्माता पद (क) में दिए गए विकल्प का लाभ उठाने का इच्छुक है तो किसी भी वित्त वर्ष की पहली निकासी से पहले वो अपने विकल्प को लिखित में देगा और ऐसा विकल्प उस दिन से लागू होगा जिस दिन उसने विकल्प का लाभ उठाने की इच्छा दी थी और वित्त वर्ष के बाकी के हिस्से में वापस नहीं की जा सकेगी; परन्तु, वित्त वर्ष 2003-04 के लिए विनिर्माता अपना विकल्प 30 सितम्बर 2003 तक दे सकता है।

(घ) विनिर्माता ऐसी प्रत्यर्पण रकम जिसका उसने प्रत्यय लिया है और उस प्रत्यय के गणना के दस्तावेज के साथ उस जमा शुल्क का लेखा जोखा जो उसने केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से किया है यथास्थिति सहायक उत्पाद शुल्क आयुक्त या उत्पाद शुल्क उपायुक्त को प्रतिफलित महीने से अगले महीने के सातवें दिन तक देगा;

(ङ.) यथास्थिति सहायक उत्पाद शुल्क आयुक्त या उत्पाद शुल्क उपायुक्त, ऐसी जांच पड़ताल के बाद जो जरूरी हो विनिर्माता को प्रत्यर्पण की जाने वाली रकम को निर्धारित करेगा और विनिर्माता को प्रतिफलित महीने से अगले महीने के पन्द्रह दिन तक सूचित करेगा ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा लिया गया प्रत्यय निर्धारित की गई रकम से ज्यादा है तो विनिर्माता उस सूचना की प्राप्ति के पांच दिन के अंदर उस अधिक प्रत्यय को उसके द्वारा बनाए रखे गए चालू खाता से लोटा देगा। ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता द्वारा लिया गया प्रत्यय निर्धारित किए गए प्रत्यय से कम है तो विनिर्माता बाकी के प्रत्यय को लेने का पात्र होगा;

(च) ऐसी स्थिति में जब विनिर्माता पद (क) से (ङ.) तक का पालन करने में असफल होता है तो उसका केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग से शुल्क को अपने आप उसके चालू खाते में प्रत्यय लेने का विकल्प जैसा कि पद (क) और (ग) में व्यवस्था है, जब्त हो जायेगा ;

(छ) असामान्य ढंग से लिया गया प्रत्यय या पद (ङ.) में निर्धारित की गई सही प्रत्यर्पण की रकम से लिया गया अधिक प्रत्यय अगर विनिर्माता द्वारा उक्त पद में निर्दिष्ट समय के अंदर वापस नहीं किया जाता है तो उस रकम को असामान्य ढंग से प्रत्यर्पित किए गए उत्पाद शुल्क की तरह वसूल की जायेगी। ऐसी स्थिति में जब ऐसा असामान्य या ज्यादा लिया गया प्रत्यर्पण, उत्पाद शुल्क योग्य मर्दों की निकासी पर उत्पाद शुल्क को जमा करवाने के लिए उपयोग कर लिया जाता है तो वो माल उतनी रकम तक बिना उत्पाद शुल्क के निकासित मानी जायेगी जितना कि असामान्य या ज्यादा प्रत्यय को उपयोग किया गया है।

स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए उत्पाद शुल्क के लिए उपयोग की गई चालू खाते में जमा की गई रकम को केन्द्रीय प्रत्यय कर नियम 2002 के अंतर्गत सुझाए गए तरीकों से अलग ढंग प्रयोग की गई मानी जायेगी।”।

[फा. सं. 261/10/2003-सी.एक्स.]

गंगा सिंह कार्की, अवर सचिव

टिप्पण : मूल अधिसूचना सं० 32/99—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 8 जुलाई, 1999 [सा० का० नि० 508 (अ), तारीख 8 जुलाई, 1999] द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण द्वारा प्रकाशित की गई थी, और उसमें अंतिम संशोधन वित्त विधेयक 2003 (2003 का 32) की धारा 154 द्वारा किया गया।

2. मूल अधिसूचना सं० 33/99—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 8 जुलाई, 1999 [सा० का० नि० 509 (अ), तारीख 8 जुलाई, 1999] द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण द्वारा प्रकाशित की गई थी, और उसमें अंतिम संशोधन वित्त विधेयक 2003 (2003 का 32) की धारा 154 द्वारा किया गया।

3. मूल अधिसूचना सं० 39/2001—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 31 जुलाई, 2001 [सा० का० नि० 375 (अ), तारीख 31 जुलाई, 2001] द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण द्वारा प्रकाशित की गई थी, और उसमें अंतिम संशोधन अधिसूचना सं० 16/2003—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2003 [सा० का० नि० 146 (अ), तारीख 1 मार्च, 2003] द्वारा किया गया था।

4. मूल अधिसूचना सं० 56/2002—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 14 नवम्बर, 2002 [सा० का० नि० 764 (अ), तारीख 14 नवम्बर, 2002] द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण द्वारा प्रकाशित की गई थी, और उसमें अंतिम संशोधन अधिसूचना सं० 40/2003—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 13 मई, 2003 [सा० का० नि० 396 (अ), तारीख 13 मई 2003] द्वारा किया गया था।

5. मूल अधिसूचना सं० 57/2002—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 14 नवम्बर, 2002 [सा० का० नि० 765 (अ), तारीख 14 नवम्बर, 2002] द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण द्वारा प्रकाशित की गई थी, और उसमें अंतिम संशोधन अधिसूचना सं० 5/2003—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 13 फरवरी, 2003 [सा० का० नि० 104 (अ), तारीख 13 फरवरी 2003] द्वारा किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th August, 2003

No. 65/2003-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 639(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), specified in column (2) of the Table hereto annexed, shall be further amended, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

S. No	Notification No. and date	Amendments
(1)	(2)	(3)
1.	32/99-Central Excise, dated the 8 th July, 1999.	<p>In the said notification,-</p> <p>(i) after opening paragraph, the following paragraph shall be inserted, namely:-</p> <p>“1A. In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be available subject to the condition that, the manufacturer first utilizes whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration, for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.”;</p> <p>(ii) for the proviso to clause (b) of paragraph 2, following proviso shall be substituted, namely:-</p>

"Provided that in cases, where the exemption contained in this notification is not applicable to some of the goods produced by a manufacturer, such refund shall not exceed the amount of duty paid less the amount of the CENVAT Credit availed of, in respect of the duty paid on the inputs used in or in relation to the manufacture of goods cleared under this notification.";

(iii) after paragraph 2, the following paragraph shall be inserted, namely:-

"2A. Notwithstanding anything contained in paragraph 2,-

(a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount of duty paid during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, in his account current, maintained in terms of Part V of the Excise Manual of Supplementary Instruction issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilised by the manufacture for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2002, in subsequent months, and such payment should be deemed to be payment in cash;

Provided that where the exemption contained in this notification is not applicable to some of the goods produced by a manufacturer, the amount of such credit shall not exceed the amount of duty paid less the amount of the CENVAT Credit availed of, in respect of the duty paid on the inputs used in or in relation to the manufacture of goods cleared under this notification.;

(b) the credit of duty paid during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, may be taken by the manufacturer in his account current, by the seventh day of the month following the month under consideration;

(c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a), shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;

Provided that , for the financial year 2003-04, a manufacturer can exercise his option on or before 30th day of September 2003.

(d) the manufacturer shall submit a statement of the duty paid, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, along with the refund amount which he has taken credit and the calculation particulars of such credit taken, to the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7th day of the next month to the month under consideration;

(e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate the same to the manufacture by 15th day of the next month to the month under consideration. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the said intimation, reverse the said excess credit from the said account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;

(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clause (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount of duty during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, in his account current on his own, as provided for in clauses (a) and (c);

		<p>(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified in that clause, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods should be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.</p> <p><i>Explanation.</i>—For the purposes of this notification, duty paid, by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002.”.</p>
2.	33/99- Central Excise, dated the 8 th July, 1999.	<p>In the said notification,—</p> <p>(i) after opening paragraph, the following paragraph shall be inserted, namely:—</p> <p>“1A. In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be available subject to the condition that, the manufacturer first utilises whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.”;</p> <p>(ii) for the proviso to clause (b) of paragraph 2, following proviso shall be substituted, namely:—</p> <p>“Provided that in cases, where the exemption contained in this notification is not applicable to some of the goods produced by a manufacturer, such refund shall not exceed the amount of duty paid less the amount of the CENVAT Credit availed of, in respect of the duty paid on the inputs used in or in relation to the manufacture of goods cleared under this notification.”;</p> <p>(iii) after paragraph 2, the following paragraph shall be inserted, namely:—</p> <p>“2A. Notwithstanding anything contained in paragraph 2,—</p> <p>(a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount of duty paid during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, in his account current, maintained in terms of Part V of the Excise Manual of Supplementary Instruction issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilised by the manufacture for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2002, in subsequent months, and such payment should be deemed to be payment in cash;</p> <p>Provided that where the exemption contained in this notification is not applicable to some of the goods produced by a manufacturer, the amount of such credit shall not exceed the amount of duty paid less the amount of the CENVAT Credit availed of, in respect of the duty paid on the inputs used in or in relation to the manufacture of goods cleared under this notification.;</p> <p>(b) the credit of duty paid during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, may be taken by the manufacturer in his account current, by the seventh day of the month following the month under consideration;</p> <p>(c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a), shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;</p> <p>Provided that , for the financial year 2003-04, a manufacturer can exercise his option on or before 30th day of September 2003.</p>

223741/03-3

		<p>(d) the manufacturer shall submit a statement of the duty paid, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, along with the refund amount which he has taken credit and the calculation particulars of such credit taken, to the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7th day of the next month to the month under consideration;</p> <p>(e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate the same to the manufacture by 15th day of the next month to the month under consideration. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the said intimation, reverse the said excess credit from the said account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;</p> <p>(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clause (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount of duty during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, in his account current on his own, as provided for in clauses (a) and (c);</p> <p>(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified in that clause, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods should be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.</p> <p><i>Explanation.</i>—For the purposes of this notification, duty paid, by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002.”</p>
3.	39/2001-Central Excise, dated the 31 st July, 2001.	<p>In the said notification,-</p> <p>(i) after opening paragraph, the following paragraph shall be inserted, namely:-</p> <p>“1A. In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be available subject to the condition that, the manufacturer first utilises whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.”;</p> <p>(ii) for the proviso to clause (b) of paragraph 2, following proviso shall be substituted, namely:-</p> <p>“Provided that in cases, where the exemption contained in this notification is not applicable to some of the goods produced by a manufacturer, such refund shall not exceed the amount of duty paid less the amount of the CENVAT Credit availed of, in respect of the duty paid on the inputs used in or in relation to the manufacture of goods cleared under this notification.”;</p> <p>(iii) after paragraph 2, the following paragraph shall be inserted, namely:-</p> <p>“2A. Notwithstanding anything contained in paragraph 2,-</p> <p>(a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount of duty paid during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, in his account current, maintained in terms of Part V of the Excise Manual of Supplementary Instruction issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilised by the manufacture for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2002, in subsequent months, and such payment should be deemed to be payment in cash;</p>

		<p>Provided that where the exemption contained in this notification is not applicable to some of the goods produced by a manufacturer, the amount of such credit shall not exceed the amount of duty paid less the amount of the CENVAT Credit availed of, in respect of the duty paid on the inputs used in or in relation to the manufacture of goods cleared under this notification.;</p> <p>(b) the credit of duty paid during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, may be taken by the manufacturer in his account current, by the seventh day of the month following the month under consideration;</p> <p>(c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a), shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;</p> <p>Provided that , for the financial year 2003-04, a manufacturer can exercise his option on or before 30th day of September 2003.</p> <p>(d) the manufacturer shall submit a statement of the duty paid, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, along with the refund amount which he has taken credit and the calculation particulars of such credit taken, to the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7th day of the next month to the month under consideration;</p> <p>(e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate the same to the manufacturer by 15th day of the next month to the month under consideration. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the said intimation, reverse the said excess credit from the said account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;</p> <p>(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clause (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount of duty during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, in his account current on his own, as provided for in clauses (a) and (c);</p> <p>(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified in that clause, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods should be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.</p> <p><i>Explanation.</i>-For the purposes of this notification, duty paid, by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002."</p>
4.	56/2002-Central Excise, dated the 14 th November,	<p>In the said notification,-</p> <p>(i) after opening paragraph, the following paragraph shall be inserted, namely:-</p> <p>"1A. In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be available</p>

2002.	<p>subject to the condition that, the manufacturer first utilises whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.”;</p> <p>(ii) for the proviso to clause (b) of paragraph 2, following proviso shall be substituted, namely:-</p> <p>“Provided that in cases, where the exemption contained in this notification is not applicable to some of the goods produced by a manufacturer, such refund shall not exceed the amount of duty paid less the amount of the CENVAT Credit availed of, in respect of the duty paid on the inputs used in or in relation to the manufacture of goods cleared under this notification.”;</p> <p>(iii) after paragraph 2, the following paragraph shall be inserted, namely:-</p> <p>“2A. Notwithstanding anything contained in paragraph 2,-</p> <p>(a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount of duty paid during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, in his account current, maintained in terms of Part V of the Excise Manual of Supplementary Instruction issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilised by the manufacture for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2002, in subsequent months. and such payment should be deemed to be payment in cash;</p> <p>Provided that where the exemption contained in this notification is not applicable to some of the goods produced by a manufacturer, the amount of such credit shall not exceed the amount of duty paid less the amount of the CENVAT Credit availed of, in respect of the duty paid on the inputs used in or in relation to the manufacture of goods cleared under this notification.;</p> <p>(b) the credit of duty paid during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, may be taken by the manufacturer in his account current, by the seventh day of the month following the month under consideration;</p> <p>(c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a), shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;</p> <p>Provided that , for the financial year 2003-04, a manufacturer can exercise his option on or before 30th day of September 2003.</p> <p>(d) the manufacturer shall submit a statement of the duty paid, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, along with the refund amount which he has taken credit and the calculation particulars of such credit taken, to the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7th day of the next month to the month under consideration;</p> <p>(e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate the same to the manufacture by 15th day of the next month to the month under consideration. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the said intimation, reverse the said excess credit</p>
-------	--

		<p>from the said account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;</p> <p>(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clause (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount of duty during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, in his account current on his own, as provided for in clauses (a) and (c);</p> <p>(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified in that clause, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods should be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.</p> <p><i>Explanation.</i>—For the purposes of this notification, duty paid, by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002.”</p>
5.	57/2002- Central Excise, dated the 14 th November, 2002.	<p>In the said notification,-</p> <p>(i) after opening paragraph, the following paragraph shall be inserted, namely:-</p> <p>“1A. In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be available subject to the condition that, the manufacturer first utilises whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.”;</p> <p>(ii) for the proviso to clause (b) of paragraph 2, following proviso shall be substituted, namely:-</p> <p>“Provided that in cases, where the exemption contained in this notification is not applicable to some of the goods produced by a manufacturer, such refund shall not exceed the amount of duty paid less the amount of the CENVAT Credit availed of, in respect of the duty paid on the inputs used in or in relation to the manufacture of goods cleared under this notification.”;</p> <p>(iii) after paragraph 2, the following paragraph shall be inserted, namely:-</p> <p>“2A. Notwithstanding anything contained in paragraph 2,-</p> <p>(a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount of duty paid during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, in his account current, maintained in terms of Part V of the Excise Manual of Supplementary Instruction issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilised by the manufacture for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2002, in subsequent months, and such payment should be deemed to be payment in cash;</p> <p>Provided that where the exemption contained in this notification is not applicable to some of the goods produced by a manufacturer, the amount of such credit shall not exceed the amount of duty paid less the amount of the CENVAT Credit availed of, in respect of the duty paid on the inputs used in or in relation to the manufacture of goods cleared under this notification.;</p>

	<p>(b) the credit of duty paid during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, may be taken by the manufacturer in his account current, by the seventh day of the month following the month under consideration;</p> <p>(c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a), shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year; Provided that, for the financial year 2003-04, a manufacturer can exercise his option on or before 30th day of September 2003.</p> <p>(d) the manufacturer shall submit a statement of the duty paid, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, along with the refund amount which he has taken credit and the calculation particulars of such credit taken, to the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7th day of the next month to the month under consideration;</p> <p>(e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate the same to the manufacturer by 15th day of the next month to the month under consideration. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the said intimation, reverse the said excess credit from the said account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;</p> <p>(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clause (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount of duty during the month under consideration, other than by way of utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002, in his account current on his own, as provided for in clauses (a) and (c);</p> <p>(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified in that clause, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods should be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.</p> <p><i>Explanation.</i>—For the purposes of this notification, duty paid, by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2002.”</p>
--	---

[F.No.261/10/2003-CX]

G. S. KARKI, Under Secy.

Note: (1) The principal notification No. 32/99-Central Excise, dated the 8th July, 1999 was published in the Gazette of India, Extraordinary [G.S.R. 508(E), dated the 8th July, 1999] and was last amended by section 154 of the Finance Act, 2003 (32 of 2003).

(2) The principal notification No. 33/99-Central Excise, dated the 8th July, 1999 was published in the Gazette of India, Extraordinary [G.S.R. 509(E), dated the 8th July, 1999] and was last amended by section 154 of the Finance Act, 2003 (32 of 2003).

(3) The principal notification No. 39/2001-Central Excise, dated the 31st July, 2001 was published in the Gazette of India, Extraordinary [G.S.R. 375(E), dated the 31st July, 2001] and was last amended by notification No. 16/2003-Central Excise, dated the 1st March, 2003 [G.S.R. 146 (E), dated the 1st March, 2003].

(4) The principal notification No. 56/2002-Central Excise, dated the 14th November, 2002, was published in the Gazette of India, Extraordinary [G.S.R. 764(E), dated the 14th November, 2002], and was last amended by notification No. 40/2003-Central Excise, dated the 13th May, 2003 [G.S.R. 396 (E), dated the 13th May, 2003].

(5) The principal notification No. 57/2002-Central Excise, dated the 14th November, 2002, was published in the Gazette of India, Extraordinary [G.S.R. 765 (E), dated the 14th November, 2002] and was last amended by notification No. 5/2003-Central Excise, dated the 13th February, 2003 [G.S.R. 104 (E), dated the 13th February, 2003].